गंगा एक्सप्रेस-वे के मुख्य कैरिजवे का कार्य 31 दिसम्बर तक हर हाल में करें पूराः नन्दी

● औद्योगिक विकास मंत्री ने निर्माणाधीन एक्सप्रेस-वे का प्रतापगढ़ में किया स्थलीय निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

महाकुम्भ 2025 के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा निर्धारित प्राथमिक कार्यों में एक गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण की गति एवं प्रगति जानने साथ ही निर्माण कार्य में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने शनिवार को प्रयागराज से मेरठ तक बन रही गंगा एक्सप्रेसवे का प्रतापगढ़ में स्थलीय निरीक्षण किया। जिसमें मिट्टी के कार्य की रफ्तार काफी धीमी मिलने पर नाराजगी जताते हुए मंत्री नन्दी ने अधिकारियों को कार्य की गति बढ़ाने एवं हर हाल में 31 दिसम्बर 2024 तक 596 किलोमीटर लम्बे गंगा एक्सप्रेसवे के फर्स्ट कैरिजवे का निर्माण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। मंत्री नन्दी ने सम्बंधित अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी कि इस कार्य में लापरवाही कत्तई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंत्री नन्दी ने कहा कि मैन पॉवर बढ़ाएं या फिर मशीनरी, लेकिन हर हाल में निर्धारित तिथि तक कार्य पूरा करें।

मंत्री नन्दी ने जनपद प्रतापगढ़ के अस्करनपुर झिंगुर कुंडा में गंगा एक्सप्रेसवे के चैनेज 601-457, प्रयागराज-लखनऊ मार्ग पर चौनेज 576-558 और चैनेज 565-200 पर चल रहे कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया। मंत्री नन्दी ने निर्माणाधीन स्थल पर पहुंच कर निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण करने के साथ ही गुणवत्ता की भी जानकारी ली। निर्धारित लक्ष्य के साथ ही अब तक की प्रगति के बारे में पूछा। जिस पर मिट्टी के कार्य की रफ्तार काफी धीमी मिली। जिस पर मंत्री नन्दी ने अधिकारियों से पूछा कि मिट्टी के कार्य की रफ्तार धीमी क्यों है। जिसका जवाब देते हुए अधिकारियों ने बताया कि बारिश के कारण मिट्टी के कार्य में दिक्कत आ रही है। गंगा एक्सप्रेसवे का स्थलीय निरीक्षण करने के बाद मंत्री नन्दी ने सर्किट हाउस प्रयागराज में गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण के साथ ही महाकुम्भ 2025 से पहले निर्धारित अवधि 31 दिसम्बर 2024 तक निर्माण कार्य पूर्ण होने की योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। मंत्री नन्दी ने समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि मिट्टी का कार्य काफी पीछे है। जिस पर मंत्री नन्दी ने यूपीडा के अधिकारियों के साथ ही गंगा एक्सप्रेसवे निर्माण से जुड़े सभी लोगों को स्पष्ट निर्देश दिया कि गंगा एक्सप्रेसवे के मुख्य कैरिजवे का निर्माण हर हाल में 31 दिसम्बर 2024 तक पूरा करना है। इसे कैसे पूरा करना है ये आप जानें, लेकिन इस कार्य में लापरवाही कत्तई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी जिम्मेदारी अधिकारी डे बाई डे का प्लान बनाएं। समीक्षा करें, जो भी कमियां और समस्याएं आ रही हैं उसे दूर करें। किसी भी स्तर पर कोई समस्या हो तो उसका तत्काल निवारण करें। मंत्री नन्दी ने कहा कि निर्धारित लक्ष्य से अधिक लक्ष्य का कार्य करने का लक्ष्य बनाएं, उल्टा चार्ट बनाएं। तब कहीं जाकर आप अपने निर्धारित लक्ष्य को पूरा कर सकते हैं।